Spandan

Class - 6

6 हिंदी (स्पंदन)

1. नर हो, न निराश करो मन को

मौखिक

1. (क) कवि नर से निराश नहीं होने के लिए कहते हैं।
   (ख) मनुष्य को अपने जन्म का अर्थ समझना चाहिए ताकि जीवन व्यर्थ न हो।
   (ग) कवि निज गौरव का ज्ञान रखने के लिए कहते हैं।

❖ 2, 3, 4, 5, 6 का उत्तर छात्र स्वयं दें।

लिखित

1. (क) सदुपाय (ख) निरा सपना
   (ग) अखिलेश्वर का
2. (क) काम करने से जग में नाम होगा।
   (ख) कवि चेतावनी देते हुए कहते हैं कि अच्छा अवसर हाथ से निकलने मत दो, क्योंकि सदुपाय कभी व्यर्थ नहीं होता है।
   (ग) हमारा यश मृत्यु के पश्चात् भी बना रहना चाहिए।
3. (क) कवि मैथिलीशरण गुप्त आशावादी हैं। वे जग को वास्तविक रूप में लेते हैं। स्वप्न और वास्तविकता में अंतर है। सपने में आपके वश में कुछ नहीं रहता, जबकि यथार्थ में आप इस संसार में अपना मार्ग स्वयं प्रशस्त कर सकते हैं।
   (ख) कवि की दृष्टि में प्रत्येक व्यक्ति विशिष्ट और महान है। वे चाहते हैं कि प्रत्येक व्यक्ति को अपने गौरव व आत्मसम्मान का ध्यान रहना चाहिए। हम भी एक सम्मानित नागरिक हैं, यह ध्यान रखना चाहिए।
   (ग) कवि मैथिलीशरण गुप्त की यह कविता आशावादिता से प्रेरित है। निराशा के भँवर में घिर चुके व्यक्ति के जीवन में आशा का संचार करती है। कवि मनुष्य से समय को व्यर्थ नहीं गँवाने, अच्छे अवसर को पहचान कर सदुपाय करने की सलाह देते हैं। वे ढ़ाढ़स बँधाते हुए कहते हैं कि ईश्वर आपकी सहायता के लिए हैं। प्रत्येक व्यक्ति से उनकी यही अपेक्षा है कि जीवन में ऐसा सार्थक काम करो, जिससे मृत्यु के पश्चात भी लोग गुणगान करें। स्वलक्ष्य निर्धारित कर उस पर अमल करना चाहिए, क्योंकि एकमात्र परिश्रम ही सुख की कुंजी है।
4. कवि की दृष्टि में प्रत्येक नागरिक अपने-आप में विशिष्ट है। वे चाहते हैं कि प्रत्येक व्यक्ति को अपने गौरव का स्मरण रहे, अपने स्वतंत्र व्यक्तित्व का ध्यान रहे। निज गरिमा और सद् आचरण के विरुद्ध कोई काम नहीं करना चाहिए। धन-संपत्ति, ऐश्वर्य नहीं होने पर भी सुकर्मों का प्रतिफल रूपी मान बना रहना चाहिए। तभी मृत्यु के उपरांत लोग नाम का गुणगान करेंगे।

भाषा और व्याकरण

1. (क) सुयोग (ख) सुअवसर (ग) सुविकसित
   (घ) सुगम (ङ) सुदूर (च) सुलभ
2. (क) सुयोग (ख) सम्मान (ग) अर्थ
   (घ) उपयुक्त (ङ) अमृत (च) मरण
3. (क) काम– कम, कमा (ख) जन्म– आजन्म, अजन्मा
   (ग) मन– नम, अमन (घ) पथ– सुपथ, कुपथ
4. (क) निराश– शमा–मान–नमक–कमल–लपट–टमटम
   (ख) अखिलेश्वर– रतन–नज़र–रकम–महक–कलम–मच्छर

2. अन्याय का विरोध

मौखिक

1. (क) लेखक का क्रूर मज़ाक एक अच्छी भावना से प्रेरित था। लेखक जूलिया के प्रति अन्याय करके उसे अन्याय का प्रतिरोध करने के लिए बताना चाहता था।
   (ख) लेखक जूलिया को अन्याय का विरोध करना सिखाना चाहता था।
   (ग) रूबल रूस की मुद्रा को कहते हैं।
   (घ) जूलिया एक निर्धन लड़की थी और लेखक के यहाँ बच्चों की देखभाल करने वाली गवर्नेस का काम करती थी।

❖ 2, 3, 4, 5, 6, 7 का उत्तर छात्र स्वयं दें।

लिखित

1. (क) चालीस रूबल (ख) जैकेट फटने के
   (ग) तीन रूबल
2. (क) लेखक ने जूलिया को तनख्वाह देने के लिए अपने पास बुलाया।
   (ख) जूलिया ने मालिक को अपनी तनख्वाह चालीस रूबल बताई।
   (ग) क्योंकि लेखक ने जूलिया को काम के एवज में पैसे दिए जबकि इसके पहले जूलिया ने

जहाँ भी काम किया, उन लोगों ने जूलिया को एक भी रूबल नहीं दिया।

3. (क) जूलिया चुपचाप अन्याय सहती रही, क्योंकि वह सीधी-सादी थी और अपने ऊपर होते अन्याय का प्रतिरोध नहीं कर पाती थी। दूसरे शब्दों में हम कह सकते हैं कि जूलिया भीरु और दब्बू किस्म की लड़की थी, इसलिए अन्याय का प्रतिरोध नहीं कर पाती थी।

(ख) लेखक जूलिया के काम से संतुष्ट थे, क्योंकि वह बड़ी ईमानदारी और मेहनत से दिनभर अपने काम में लगी रहती। बच्चों का ध्यान रखती थी और प्रेमभाव से उन्हें अच्छी शिक्षा देती।

(ग) लेखक ने जूलिया के साथ अन्याय भरा एक क्रूर मज़ाक करके उसे सबक सिखाने का निर्णय लिया।

4. (क) लेखक अपने घर में बच्चों की देखभाल के लिए नियुक्त गवर्नेस जूलिया को अन्याय का प्रतिकार करने के लिए प्रोत्साहित करना चाहता था। अन्याय को चुपचाप सहना भी अन्याय को बढ़ावा देने के ही समान है। इसी संदर्भ में यह प्रसंग आया है कि भला इनसान कहलाने के लिए ज़रूरी नहीं कि अन्याय को बिना विरोध के चुपचाप सहा जाए।

(ख) इस निर्दय संसार में सीधे-सच्चे लोगों को भीरु, दब्बू और कायर समझा जाता है। अन्याय को चुपचाप सहना, अन्याय को प्रोत्साहित करने के ही समान है। इसलिए इस निर्मम और हृदयहीन संसार में अन्यायी से लड़कर ही अपना वजूद बचाया जा सकता है।

भाषा और व्याकरण

1. (क) व्यक्तिवाचक संज्ञा– जूलिया, कोल्या, वान्या
(ख) जातिवाचक संज्ञा– वृक्ष, पत्नी, मालकिन
(ग) भाववाचक संज्ञा– अन्याय, अस्तित्व, ईमानदारी

2. (क) निश्चित संख्यावाचक विशेषण– चालीस रूबल
(ख) अनिश्चित संख्यावाचक विशेषण– कम पैसे/पैसों
(ग) निश्चित संख्यावाचक विशेषण– बारह दिन
(घ) निश्चित संख्यावाचक विशेषण– ग्यारह रूबल
(ङ) अनिश्चित संख्यावाचक विशेषण– कुछ पैसे

3. (क) जूलिया ने दबे स्वर में कहा।
(ख) गृहस्वामी ने पैसे काट लिए।
(ग) इतनी बड़ी बात तुम्हारी मालकिन ने मुझे बताई क्यों नहीं।
(घ) तुमने सिर्फ़ वान्या को पढ़ाया।

4. (क) निर्भय (ख) हृदयहीन (ग) अन्याय
(घ) सप्ताह

5. (क) घृणा × प्रेम (ख) भीरु × निडर
(ग) प्रसन्न × अप्रसन्न (घ) विश्वास × अविश्वास
(ङ) न्याय × अन्याय (च) एक × अनेक
(छ) विनीत × अविनीत (ज) कोमल × कठोर
(झ) सायं × प्रातः

3. विक्रम साराभाई

मौखिक

1. (क) विक्रम साराभाई ने बेंगलुरु के भारतीय विज्ञान संस्थान में नोबेल पुरस्कार विजेता वैज्ञानिक सी० वी० रमन की देखरेख में भौतिक विज्ञान का अध्ययन किया।

(ख) भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम का जनक विक्रम साराभाई हैं।

(ग) बचपन में विक्रम साराभाई के साइकिल की सवारी करने का शौक था।

❖ 2, 3, 4, 5, 6 का उत्तर छात्र स्वयं दें।

लिखित

1. (क) कैंब्रिज (ख) अंतरिक्ष विज्ञान
(ग) विक्रम साराभाई को

2. (क) विक्रम साराभाई का जन्म 12 अगस्त, 1919 को अहमदाबाद के जैन परिवार में अंबालाल साराभाई के यहाँ हुआ था।

(ख) शिक्षा के बारे में विक्रम साराभाई का विचार था कि संपूर्ण शिक्षा ही प्रयोग और अनुभव पर आधारित होनी चाहिए।

(ग) विक्रम साराभाई द्वारा शुरू की गई योजनाओं का उद्देश्य भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) का विस्तार करके देश को अंतरिक्ष युग में ले जाना था।

3. (क) विक्रम साराभाई का परिवार महात्मा गांधी के निकट था और सामाजिक उत्तरदायित्व की प्रबल भावना के लिए विख्यात था। विक्रम की चाची अनसूया ने शहर में कपड़ा श्रमिकों की पहली यूनियन गठित की और बहन मृदुला स्वाधीनता संग्राम से जुड़ी होने के कारण कई बार जेल गईं। उनके घर रवींद्रनाथ टैगोर, जहवारलाल नेहरू और रुक्मिणी अरुंडेल जैसी हस्तियाँ आती रहती थीं।

(ख) विक्रम साराभाई ने लगातार इस बात पर ज़ोर दिया कि परमाणु ऊर्जा और अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी का प्रयोग शांतिपूर्ण कार्यों और मानवीय विकास के लिए होना चाहिए।

(ग) विक्रम साराभाई को अंतरिक्ष विज्ञान का जनक मानना उचित है। अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन का अध्यक्ष चुने जाते ही उन्होंने त्रिवेंद्रम (तिरुअनंतपुरम) से दस कि०मी० दूर थुंबा में रॉकेट प्रक्षेपण केंद्र की स्थापना की। श्री हरिकोटा में राष्ट्रीय अंतरिक्ष अड्डा और अहमदाबाद में प्रौद्योगिकी उपग्रह संचार की स्थापना का श्रेय भी उन्हीं को जाता है। वास्तव में साराभाई इसरो का विस्तार करके देश को अंतरिक्ष युग में ले गए।

4. (क) डॉक्टरेट की उपाधि (iv) 1947 ई० में
(ख) थुंबा (v) रॉकेट प्रक्षेपण केंद्र
(ग) अहमदाबाद (i) प्रौद्योगिकी उपग्रह संचार
(घ) विक्रम साराभाई (iii) भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला
(ङ) 30 दिसंबर, 1971 (ii) विक्रम साराभाई का निधन

भाषा और व्याकरण

1. (क) व्यक्तिवाचक संज्ञा–अहमदाबाद, कैंब्रिज, मृदुला, विक्रम
(ख) जातिवाचक संज्ञा– वैज्ञानिक, सड़क, देश, नौकर
(ग) भाववाचक संज्ञा– बहादुरी, मित्रता, संतोष, साहस

2. (क) साइकिल चलाने में उनको आनंद आता था।
(ख) उनके पिता एक उद्योगपति थे।
(ग) उनका प्रयास था कि प्रयोगशालाएँ महँगी न हों।

3. (क) तेज़ी से (ख) आगे (ग) तेज़

4. (क) वे चुनौती पसंद करते थे।
(ख) वे भारत वापस आ गए।
(ग) वे शाकाहारी खाना पसंद करते थे।
(घ) वे अंतरिक्ष अनुसंधान के जनक माने जाते थे।

5. (क) शिक्षक-शिक्षिका ही छात्र-छात्राओं में उत्तम चरित्र का निर्माण कर सकते हैं। वे ही उनमें कर्तव्य की भावना भर सकते हैं।
(ख) शिक्षक ही छात्रों में भाईचारे और प्रेम के बीज अंकुरित कर सकते हैं।
(ग) राष्ट्र निर्माता शिक्षक या सेवाभावी शिक्षक
(घ) छात्र–छात्रा, शिक्षक–शिक्षिका

4. मेघों का घर - मेघालय

मौखिक

1. (क) गारो पर्वत के वन में खूँखार जानवर, ज़हरीले साँप और कीड़े-मकोड़े भरे हुए हैं।
(ख) मेघालय की जलवायु आर्द्र है।
(ग) मेघालय आने वाला प्रथम मुस्लिम यात्री काज़िम था।

❖ प्रश्न 2, 3, 4, 5 का उत्तर छात्र स्वयं दें।

लिखित

1. (क) मेघालय को (ख) मंगोल मूल के
(ग) तिरोत सिंह (घ) चेरापूँजी

2. (क) मेघालय में संपत्ति की उत्तराधिकारिणी सबसे छोटी कन्या होती है, जिसे नोकना कहते हैं।
(ख) मेघालय राज्य में गारो, खासी, जयंतियाँ पहाड़ियाँ हैं।
(ग) मेघालय प्रमुख रूप से कृषि-प्रधान राज्य है। यहाँ की लगभग 80 प्रतिशत जनसंख्या अपनी आजीविका के लिए कृषि पर निर्भर है। यहाँ की मिट्टी और जलवायु बागवानी, फलों और सब्ज़ियों के अनुकूल है।

3. (क) हवाएँ ब्रह्मपुत्र नदी के दक्षिण-पूर्व से इस घाटी में प्रवेश करती हैं। शिलांग पर्वत उन्हें आगे बढ़ने से रोक लेता है। मौसमी हवाओं से आए मेघों को यहाँ घाटी में काफ़ी समय तक रूकना पड़ता है, इसीलिए इसे मेघों का घर कहा जाता है।
(ख) सोलहवीं शताब्दी से असम में अहोम राजाओं का शासन शुरू हुआ। अंग्रेज़ी शासन की शुरुआत में यहाँ के राजा तिरोत सिंह ने अंग्रेज़ों के छक्के छुड़ा दिए थे। यही कारण है कि उनकी समाधि आज भी यहाँ के निवासियों के लिए पूजनीय है।
(ग) संगीत और नृत्य तो मेघालय का जीवन हैं। सुख-दुख, जीत-हार, जन्म-मृत्यु, विवाह व उत्सव तथा त्योहार आदि पर नृत्य-गीत आवश्यक हैं। यहाँ कृषि, फ़सल और त्योहारों के अलग नृत्य होते हैं। इस प्रकार हम कह सकते हैं मेघालय अपने विविधतापूर्ण रीति-रिवाजों, बहुरंगी संस्कृति, मनोरम प्राकृतिक परिवेश, खुशमिज़ाज संगीत और नृत्य प्रेमी समाज का अनूठा संगम है।

भाषा और व्याकरण

1. (क) सब्ज़ी (ख) ज़्यादा (ग) सफ़र
(घ) ज़हरीले (ङ) तीरंदाज़ी (च) ज़ोर
(छ) काफ़ी (ज) फौज़

2. (क) असम में अहोम राजा का शासन था।
(ख) यहाँ बेटियों के नाम पर वंश चलता है।
(ग) यहाँ की घाटियाँ गहरी व घने जंगलों से भरी पड़ी हैं।

(घ) इनका सिर चपटा, नाक चौड़ी, आँखें गोल तथा चेहरे पर नाममात्र की मूँछें लिए होता है।

3. सर्वनाम– इनके, इसका, यह, उसका
विशेषण– कुछ, तीन, मुख्य, अतिरिक्त, बंगाली, असमिया, नेपाली

4. (क) वर्तमान युग में समाचार-पत्र, रेडियो और टेलीविज़न विज्ञापन के सफल साधन हैं।

(ख) विज्ञापन का मूल उद्देश्य उत्पादक और उपभोक्ता में सीधा संपर्क करना होता है।

(ग) क्योंकि जितना अधिक विज्ञापन किसी पदार्थ का होगा, उतनी ही उसकी लोकप्रियता बढ़ेगी।

(घ) ग्राहक जब इन आकर्षक विज्ञापनों को देखता है, तो वह उस वस्तु विशेष के प्रति आकृष्ट होकर उसे खरीदने को बाध्य हो जाता है।

(ङ) विज्ञापन और उपभोक्ता

5. गाँव बड़ा या शहर

मौखिक

1. (क) भारत को गाँवों का देश कहा जाता है।

(ख) शहर के लोग कभी-कभी गाँव जाते हैं।

(ग) गाँवों के निवासियों की जीवनशैली में परिवर्तन आ गया है।

(घ) गाँव के लोग शहर की ओर पलायन कर रहे हैं।

❖ प्रश्न 2, 3, 4, 5 का उत्तर छात्र स्वयं दें।

लिखित

1. (क) खेतों का (ख) पशुपालन (ग) खुली धूप, हवा

2. (क) उत्तम स्वास्थ्य के लिए पौष्टिक आहार की आवश्यकता होती है।

(ख) हरियाली लाने के बारे में लोगों में नई चेतना आई है।

(ग) गाँव को शहर के बढ़ते आकार से खतरा है।

3. (क) ग्रामीण जीवनशैली की खुली धूप, साफ़ हवा, आसपास के लहलहाते खेतों और बाग-बगीचों की हरियाली अनायास ही सबके मन को आकृष्ट कर लेती है।

(ख) शरीर और मन को स्वस्थ रखने हेतु सूर्य का प्रकाश, स्वच्छ हवा, पड़ोस में हरे-भरे वातावरण और शुद्ध पौष्टिक आहार की आवश्यकता होती है।

(ग) जनसंख्या वृद्धि के अनेक दुष्परिणाम होते हैं। परिवारों का आकार बढ़ता है, लेकिन खेती की भूमि तो सीमित है। बढ़ी हुई आबादी को आवास की सुविधाएँ सुलभ कराने के लिए नई-नई आवासीय बस्तियों का विकास किया जाता है। इसके लिए पास-पड़ोस के गाँवों की चरागाहों और खेती की भूमि का अधिग्रहण किया जाता है। फलतः कृषि की भूमि में कमी आती है, जिससे अन्न और सब्ज़ी के उत्पादन पर बुरा असर पड़ता है। निरंतर जनसंख्या बढ़ने से सबको शिक्षा, स्वास्थ्य, रक्षा, रोज़गार की सुविधाएँ उपलब्ध कराना मुश्किल होता है।

4. (क) भारत को गाँवों का देश कहा जाता है। वर्तमान में कोलकाता जैसे भारत के कई बड़े शहर गाँवों से ही शहर बने हैं। गाँव से सब्ज़ी, अनाज, फल, दूध, घी, लकड़ी आदि की शहर को आपूर्ति की जाती है। वहीं शहर दैनिक काम में आने वाली वस्तुओं की आपूर्ति करता है। इस प्रकार गाँव और शहर एक-दूसरे के पूरक और सहयोगी हैं।

(ख) गाँवों के लोगों से ही शहर विकसित हुआ है। राष्ट्र को एक से बढ़कर एक कवि, लेखक, कलाकार, सामाजिक नेता, देशभक्त, समाज सेवक गाँव ने ही दिए हैं। गाँव के लोक-नर्तक और लोक-नायक भारतीय संस्कृति का ध्वज विदेश में फहरा रहे हैं। शहर के गगनचुंबी भवन गाँव के ही अनपढ़ श्रमिकों के हाथों निर्मित हुए हैं। खदानों से खनिज संपदा ग्रामीण लोगों द्वारा ही निकाले जाते हैं। शहरी कल-कारखाने गाँव वासियों की ही बदौलत चल रहे हैं। शहर की बसें गाँवों के ही लोग चलाते हैं। पुलिस और सेना गाँव वालों के दम पर देश की आंतरिक और बाह्य सुरक्षा की बागडोर सँभाते हुए है। अतः यह कथन शब्दशः सत्य है कि भारत की आत्मा गाँवों में बसती है।

भाषा और व्याकरण

1. (क) गाँव (ख) सूरज (ग) धुआँ
(घ) दही (ङ) खेत (च) खेती

2. (क) तुम, मेरे (ख) मेरी (ग) उसमें
(घ) मुझे, तुम्हारे

3. (क) साफ़ (ख) अपूर्ण (ग) परतंत्र
(घ) महँगा (ङ) अनावश्यक (च) अवनति
(छ) अशुद्ध (ज) हानि

4. (क) शान बघारना– शान से बढ़-चढ़कर बातें करना

(ख) अपने मुँह मियाँ मिट्ठू बनना– अपनी प्रशंसा स्वयं करना

(ग) आँखों में धूल झोंकना– छल करना, धोखा देना

(घ) जेब पर डाका डालना– अधिक कीमत लेना

(ङ) रटी-रटाई बातें दोहराना– पुरानी बातें बताना

5. (क) आसपास (ख) धीरे-धीरे, आज
(ग) लगातार (घ) चारों ओर

6. हर याद को, भूल को, हर फूल को

मौखिक

1. (क) नए साल पर कवि लोगों को शुभकामनाएँ देना चाहते हैं।
(ख) सर्वेश्वर दयाल सक्सेना
(ग) नए साल की शुभकामनाएँ

❖ प्रश्न 2, 3 का उत्तर छात्र स्वयं दें।

लिखित

1. (क) कुहरे में (ख) बाल

2. (क) खेतों की मेड़ों पर ग्रामीणों के धूल-भरे पाँव चलते हैं।

(ख) गाँव के घरों में जाँता से महिलाएँ गेहूँ पीसती थीं। जाँतों के गीतों से कवि का तात्पर्य उसके चलने से घर्र-घर्र होने वाली आवाज़ से है।

3. (क) कवि ग्रामीण अंचल से भली-भाँति परिचित हैं। कवि ने खेत की मेड़, उस पर चलने वाले धूल भरे पाँव, कुहरे में लिपटे छोटे-से गाँव, जाँते के गीतों, बैलों की चाल, करघे, कोल्हू, मछुओं के जाल, पकती रोटी, बच्चों के शोर, चौके की गुनगुन, चूल्हे की भोर के रूप में गाँव की चर्चा की है।

(ख) कविता में जाँते के गीतों, बैलों की चाल, करघे, कोल्हू, मछुओं के जाल, पकती रोटी, बच्चों के शोर, चौके की गुनगुन जैसे ग्रामीण कार्यों का वर्णन हुआ है।

(ग) कवि का प्रकृति से असीम लगाव है। कवि कोट में लगने वाले गुलाब, महिलाओं के जूड़े में लगने वाले फूलों की कविता में चर्चा कर फूलों के प्रति अपना लगाव प्रकट कर रहे हैं।

4. (क) जाँते के गीतों को, बैलों की चाल को,
करघे को, कोल्हू को, मछुओं के जाल को,
नये साल की शुभकामनाएँ।

(ख) इस पकती रोटी को, बच्चों के शोर को,
चौके की गुनगुन को, चूल्हे की भोर को,
नये साल की शुभकामनाएँ!

भाषा और व्याकरण

1. (क) शुभकामनाएँ (ख) ग्रीटिंग
(ग) बंदूक (घ) पाँव (ङ) गाँव
(च) आँधी (छ) जंगल (ज) तारों

2. (क) पाँव – छाँव (ख) चाल – साल
(ग) बाल – खाल (घ) शोर – भोर
(ङ) लिखे – दिखे (च) फूल – शूल

3. (क) संकट के समय वीर घबराते नहीं हैं।

(ख) वीर संकट से घबराते नहीं हैं, आपदा सामने आने पर छिपते नहीं हैं, जिस काम को शुरू करते हैं उसे पूरा करते हैं, काम करके व्यर्थ पछताते नहीं हैं। वीर कठिन पथ को देख मुसकुराते हैं, संकटों के बीच गाते हैं, उनके लिए असंभव कुछ नहीं है, वे हर काम को संभव कर दिखाते हैं।

(ग) पुरुषार्थी और वीर व्यक्तियों के लिए कुछ भी असंभव नहीं है।

(घ) व्यर्थ – बेकार, कठिन – मुश्किल

7. शूलपाणि

मौखिक

1. (क) भगवान महावीर ने पीपल के पेड़ के नीचे अपना आसन जमाया।

(ख) शूलपाणि अपने हाथ में शूल जैसा एक नुकीला हथियार रखता था।

(ग) शूलपाणि निर्दयी और क्रूर व्यक्ति था।

❖ प्रश्न 2, 3, 4 का उत्तर छात्र स्वयं दें।

लिखित

1. (क) गंडक (ख) भगवान महावीर का
(ग) शूलपाणि को

2. (क) ग्रामवासियों को भगवान महावीर के आगमन का समाचार मिला।

(ख) कौशिक एक विषैला सर्प था, जिसके काटने के बाद कोई जीवित नहीं बचता था।

(ग) भगवान महावीर ने गाँव जाने से इनकार कर दिया।

3. (क) चैत्य बहुत पुराना होते हुए भी बहुत सुंदर था। उसके निकट ही गंडक नदी बह रही थी। सामने

रमणीक उपवन था। उसमें हर समय रंग-बिरंगे सुंदर पुष्प खिले रहते थे। उपवन के बीचों-बीच पीपल का एक विशाल वृक्ष था।

(ख) भगवान महावीर जिस चैत्य में ठहरे थे, उस चैत्य में ही क्रूर, निर्दयी शूलपाणि रहता था जो अपने साथ एक विषैला सर्प और एक नुकीला हथियार रखता था। रात में चैत्य के आसपास से गुज़रने या वहाँ ठहरने वाले को वह मार देता था। गाँव वालों ने भगवान महावीर से रात्रि विश्राम के लिए गाँव चलने का आग्रह किया लेकिन भगवान महावीर ने इससे इनकार कर दिया। इसी कारण गाँव वाले दुखी हुए।

(ग) शूलपाणि बिना किसी कारण रात्रि काल में चैत्य में ठहरने वाले पथिक या चैत्य के आसपास से गुज़रने वाले व्यक्ति को मार डालता था। वह नर होते हुए भी अपनी पैशाचिक वृत्ति के कारण नर पिशाच बन गया था। शूलपाणि का भगवान महावीर के प्रति दिखाया गया क्रोध भी सर्वथा अनुचित था।

(घ) शूलपाणि ने बिना किसी कारण भगवान महावीर को मारना चाहा, तभी अपने पालतू नाग कौशिक द्वारा काट लिए जाने के कारण वह भूमि पर गिरकर तड़पने लगा। भगवान महावीर ने आयुर्वेदिक जड़ी-बूटी से इलाज कर उसकी प्राण रक्षा की। इस घटना के बाद ही शूलपाणि का हृदय परिवर्तन हो गया। वर्धमान महावीर से दीक्षा लेने के उपरांत परोपकार ही उसके जीवन का मुख्य ध्येय बन गया।

4. (क) रमणीक (ख) जंगल (ग) धर्मोपदेश
(घ) शरण

भाषा और व्याकरण

1. (क) गाँव (ख) रंग-बिरंगे (ग) चिंता
(घ) अँधेरा (ङ) जंगल (च) गालियाँ
2. (क) विश्राम (ख) दर्शन (ग) धूर्त
(घ) ड्रम (ङ) वृक्ष (च) क्रूर
(छ) प्रायश्चित (ज) सर्प
3. संज्ञा– कौशिक, महावीर, गंडक
सर्वनाम– वह, उसका, तुम
विशेषण– विशाल, दुष्ट, विषैला
4. (क) में (ख) के (ग) ने
(घ) से (ङ) के लिए
5.

	शब्द	मूल शब्द	प्रत्यय
(क)	मानवता	– मानव	ता
(ख)	पौराणिक	– पुराण	इक
(ग)	विषैला	– विष	ऐला
(घ)	पूर्णतः	– पूर्ण	तः
(ङ)	बहाव	– बह	आव
(च)	नुकीला	– नोंक	ईला

8. अँधेर नगरी

मौखिक

1. (क) महंत ने गोवर्धनदास को पश्चिम दिशा में भिक्षा माँगने के लिए भेजा।
(ख) अँधेर नगरी में आटा टके सेर बिक रहा था।
(ग) गोवर्धन दास को भिक्षाटन से सात पैसे मिले।

❖ प्रश्न 2, 3, 4, 5, 6 का उत्तर छात्र स्वयं दें।

लिखित

1. (क) फ़कीर, बेकसूर (ख) कोतवाल
(ग) चौपटं राजा
2. (क) नारायण दास महंत का शिष्य था। उसे महंत ने भिक्षाटन के लिए पूर्व दिशा में भेजा।
(ख) वस्तुओं का दाम सुनकर गोवर्धन दास ने– ''अँधेर नगरी, चौपट राजा, टके सेर भाजी, टके सेर खाजा'' नामक कविता बनाई।
(ग) गोवर्धन दास ने भीख में मिले पैसे से साढ़े तीन सेर मिठाई खरीदी।
3. (क) गोवर्धन दास को मोटे होने के कारण फाँसी की सज़ा दी जा रही थी। दरअसल बकरी मरने के अपराध में कोतवाल को फाँसी का हुक्म हुआ था। फाँसी का फंदा बड़ा निकला क्योंकि कोतवाल साहब दुबले-पतले थे। इस पर राजा का हुक्म हुआ कि किसी मोटे आदमी को पकड़कर फाँसी दे दो।
(ख) महंत ने कहा कि इस समय ऐसी शुभ घड़ी है कि जो मरेगा, सीधा स्वर्ग जाएगा। यह कहकर महंत ने गोवर्धनदास के स्थान पर स्वयं फाँसी पर चढ़ना चाहा। सीधे स्वर्ग जाने की बात सुनकर राजा स्वयं फाँसी पर चढ़ गया और इस तरह गोवर्धनदास की जान बच गई।
(ग) इस नाटक के माध्यम से लेखक ने कई संदेश दिए हैं। सर्वप्रथम राजा की अयोग्यता और उसके कारण शासन संचालन में उत्पन्न होने वाली समस्याओं का वर्णन किया है। गुरु की

आज्ञा का उल्लंघन नहीं करने का संदेश दिया है। संकट की घड़ी में बुद्धि का प्रयोग कर संकट को टालने का संदेश दिया है।

4. [2] ऐसे नगर में रहना उचित नहीं।
   [5] हम लटकेंगे, हमारे कारण ही तो दीवार गिरी थी।
   [1] महंत अपने शिष्यों के साथ नगर में पहुँचे।
   [4] अरे भाइयो! कुछ तो धर्म का खयाल करो।
   [3] कभी संकट पड़े तो गुरु को याद करना।

5.

	किसने	किससे
(क)	दूसरे सिपाही ने	गोवर्धन दास को
(ख)	गोवर्धन दास ने	हलवाई से
(ग)	महंत ने	सिपाही से

भाषा और व्याकरण

1. (क) बकरा दीवार के नीचे दबकर मर गया।
   (ख) नौकरानी कारीगर को पकड़ लाती है।
   (ग) दरबार में एक औरत फरियाद लेकर आई।
   (घ) रानी के होते हुए कोई और फाँसी नहीं चढ़ सकता।
2. (क) पूर्व दिशा (ख) कच्ची दीवार
   (ग) अँधेर नगरी (घ) मूर्ख राजा
   (ङ) मोटा आदमी (च) शुभ घड़ी
3. (क) सात पैसे (ख) टके सेर (ग) साढ़े तीन सेर
4. (क) गड़रिए (ख) भेड़ें (ग) सब्ज़ियाँ
   (घ) चेले (ङ) बच्चे (च) मिठाइयाँ
5. (क) बलशाली (ख) आश्चर्यजनक
   (ग) ध्यानपूर्वक (घ) महत्वपूर्ण

क्रिया-कलाप/गतिविधि, रचनात्मक/सृजनात्मक कार्य

❖ छात्र स्वयं करें।

9. मैं सूरज हूँ

मौखिक

1. (क) सूरज (ख) हाइड्रोजन (ग) आठ
   (घ) सात

❖ प्रश्न 2, 3, 4, 5, 6 का उत्तर छात्र स्वयं दें।

लिखित

1. (क) सूरज से (ख) सूरज की (ग) बुध
2. (क) सौरमंडल के प्रत्येक ग्रह सूर्य के चारों ओर परिक्रमा करते हैं। परिक्रमा करने में लगा समय उस ग्रह का एक 'वर्ष' कहलाता है।
   (ख) समीप वाले ग्रहों को सूर्य की परिक्रमा करने में कम समय लगता है इसलिए समीप वाले ग्रहों का वर्ष काफ़ी छोटा होता है।
   (ग) ग्रहण दो प्रकार के होते हैं– सूर्यग्रहण और चंद्रग्रहण
3. (क) सौरमंडल में आठ ग्रह– बुध (मरकरी), शुक्र (वीनस), पृथ्वी (अर्थ), मंगल (मार्स), बृहस्पति (ज्यूपिटर), शनि (सैटर्न), अरुण (यूरेनस) तथा वरुण (नेपच्यून) हैं।
   (ख) अंतरिक्ष में खरबों तारे हैं। अंतरिक्ष में ये तारे बड़े-बड़े गुच्छे अथवा समूहों में पाए जाते हैं। तारों के ये समूह आकाश गंगा कहलाते हैं।
   (ग) पृथ्वी सौरमंडल के आठ ग्रहों में से एक है, जो सूर्य की परिक्रमा करते हैं। लगभग 4.543 अरब वर्ष पूर्व पृथ्वी सूर्य से अलग होकर सूर्य के चारों ओर घूमने लगी।
   (घ) सूर्यग्रहण में पृथ्वी, चंद्रमा तथा सूर्य की स्थिति एक सीध में होती है, जिसमें सूर्य एवं पृथ्वी के बीच चंद्रमा आ जाता है। यहाँ सूर्य प्रकाश बिंदु तथा चंद्रमा बीच की वस्तु बन जाता है, जिसकी छाया पृथ्वी पर पड़ती है। पृथ्वी के जिन क्षेत्रों पर चंद्रमा की प्रच्छाया बनती है, वहाँ पूर्ण सूर्यग्रहण दिखाई देता है, जबकि उपछाया के अंतर्गत आने वाले क्षेत्रों पर आंशिक सूर्यग्रहण का निर्माण होता है। प्रत्येक सूर्यग्रहण अमावस्या के दिन ही होता है।
4. (क) (iv) (ख) (iii) (ग) (ii) (घ) (i)

भाषा और व्याकरण

1. (क) बहुवचन (ख) बहुवचन
   (ग) एकवचन (घ) बहुवचन
   (ङ) एकवचन (च) एकवचन
2. (क) से (ख) में (ग) के (घ) को
3. (क) मैं (ख) मेरी (ग) मुझसे, मेरे
   (घ) मेरा, आप
4. (क) सभी जीव-जंतु और पेड़-पौधों का जीवन मुझसे जुड़ा है।
   (ख) कभी-कभी मैं कुछ समय के लिए दिखाई नहीं देता हूँ।
   (ग) ग्रहण दो प्रकार के होते हैं– सूर्यग्रहण और चंद्रग्रहण।

10. जेल का जीवन

मौखिक

1. (क) नौ बजे के लगभग जेल के परमदेव सुपरिंटेंडेंट दलबल सहित पधारते।
   (ख) सुपरिंटेंडेंट से राजनीतिक कैदियों को खड़े होकर बात करनी पड़ती थी।
   (ग) जेलवाले स्वामी भास्कर तीर्थ से बहुत नाराज़ रहते थे।

❖ प्रश्न 2, 3, 4 का उत्तर छात्र स्वयं दें।

लिखित

1. (क) मिस्टर क्लीमेंट्स को
   (ख) आर्यसमाजी स्वतंत्रता सेनानी
   (ग) भगवान श्रीकृष्ण का
2. (क) जेल में कैदियों पर क्या बीतती है, यह जानने की लेखक को बड़ी उत्सुकता रहती थी।
   (ख) जेल में आर्य समाजी स्वतंत्रता सेनानी भाइयों द्वारा हवन कुंड बनाया गया था।
   (ग) रिहाई के समय क्लीमेंट्स ने लेखक को सलाह दी कि अब अपना कुछ काम करना। कपड़ा बुनने का एक कारखाना खोलना।
3. (क) कानपुर जेल का वातावरण कैदियों के लिए कष्टदायक था। जेल सुपरिंटेंडेंट से लोगों को खड़े होकर बात करनी पड़ती थी। गीता, रामायण, कुरान का पाठ किया जाता। आर्यसमाजी भाइयों ने हवन कुंड बना लिया था।
   (ख) कानपुर जेल में सहनशीलता और त्याग के साथ धार्मिकता बहुत बढ़ गई थी। लेखक के यह कहने के पीछे कई ठोस आधार हैं। जेल में गीता, रामायण और कुरान का पाठ किया जाता। एकादशी का व्रत रखा जाता और किसी-न-किसी बैरक में संध्या को ज़ोर से ईश्वर प्रार्थना होती। स्वामी भास्करतीर्थ ने जेलवालों के विरोध करने पर भी भगवान श्री कृष्ण का चित्र टाँग रखा था।
   (ग) क्लीमेंट्स के प्रश्न का लेखक ने उत्तर दिया। अब कुछ अपना काम करना, प्रश्न का लेखक ने उत्तर दिया कि पहले भी करता था। प्रेस और पत्र में स्वयं को नौकर कहे जाने पर लेखक ने उत्तर दिया, मैं वैसा ही नौकर हूँ, जैसे आप इस जेल के नौकर हैं। जेल आने की इच्छा भले आदमियों में नहीं होनी चाहिए के उत्तर में लेखक ने कहा, जब तक देश की यह अवस्था है, तब तक हर भले आदमी का दूसरा घर जेल ही है।
4. (क) बात (ख) जोशीले (ग) पद-चिह्नों
   (घ) विचार
5.

	किसने	किससे
(क)	लेखक ने	जेल सुपरिंटेंडेंट क्लीमेंट्स से
(ख)	लेखक ने	जेल सुपरिंटेंडेंट क्लीमेंट्स से
(ग)	जेल सुपरिंटेंडेंट क्लीमेंट्स ने	लेखक गणेश शंकर विद्यार्थी से

भाषा और व्याकरण

1. (क) तत्सम– रात्रि, संध्या
   (ख) तद्भव– गरमी, कुआँ
   (ग) देशज– सर-सर, झालरदार
   (घ) विदेशज– नज़र, सेंट्रल जेल
2. (क) अपना (ख) तुम्हें (ग) आपने
   (घ) हमारे
3. पुनरुक्त शब्द– कई-कई, साथ-साथ, एक-एक, जल्दी-जल्दी

   शब्द युग्म– ईश्वर-प्रार्थना, अंदर-बाहर, छोटा-बड़ा, हाथ-पैर, पद्-चिह्न
4. (क) मनुष्य के मन की दृढ़ता उसकी मानसिक शक्ति पर आधारित रहती है।
   (ख) मनुष्य के मन की दृढ़ता आवश्यक है क्योंकि जिस व्यक्ति की ईच्छा-शक्ति जितनी दृढ़ होगी, उसका मन उतना ही दृढ़ होगा। मन की दृढ़ता, इच्छा-शक्ति और संकल्प शक्ति के द्वारा मनुष्य असंभव को भी संभव करके दिखा देता है।
   (ग) जब मनुष्य का मन भर जाता है, तो सब प्रकार की सुख-सुविधाएँ पाकर भी उसका जीवन उसके लिए बोझ बन जाता है।
   (घ) मनुष्य– नर, मानव शक्ति– बल, ताकत

11. ऊँचाई

मौखिक

1. (क) बर्फ़ कफ़न की तरह सफ़ेद और मौत की तरह ठंडी होती है।
   (ख) ऊँचाई और गहराई में आकाश-पाताल की दूरी है।

❖ प्रश्न 2, 3, 4, 5 का उत्तर छात्र स्वयं दें।

लिखित

1. (क) घास (ख) विस्तार (ग) नदी

2. (क) ऊँचाई का स्पर्श पानी को पत्थर कर देता है।
(ख) गौरैया पहाड़ पर नीड़ नहीं बना सकती है।
(ग) बटोही पहाड़ की छाया में पलक नहीं झपका सकता है।

3. (क) पहाड़ की मज़बूरी है कि वह सबसे अलग-थलग, परिवेश से पृथक, अपनों से कटा-बँटा और शून्य में अकेला खड़ा है।
(ख) धरती को ऊँचे कद के इनसानों की ज़रूरत है। जो इतने ऊँचे हों कि बढ़कर आसमान छू लें। नए नक्षत्रों में अपनी प्रतिभा के झंडे गाड़ दें। लेकिन इनसानों की ऊँचाई इतनी भी अधिक नहीं हो कि वे हृदयहीन और मानवता रहित हो जाएँ। गरीब लोगों से न मिल पाएँ, न उनकी समस्या उन्हें दिखाई दे।
(ग) कवि अधिक ऊँचाई नहीं पाना चाहते हैं क्योंकि अधिक ऊँचा होने पर प्राय: नीचे के लोग उन्हें दिखाई नहीं देते। कवि मात्र उतनी ही ऊँचाई चाहते हैं जिस ऊँचाई तक वे दूसरे लोगों को गले लगा सकें। कवि ऊँचाई की रुखाई बिलकुल नहीं चाहते।
(घ) यदि यह कविता गहराई पर लिखी जाती, तो कविता में ऊँचाई की जगह गहराई का नामोल्लेख होता। गहरे समुद्र में घास नहीं उगती। सच्चाई यह है कि केवल गहराई ही काफी नहीं होती। गहराई के साथ विस्तार भी हो आदि परिवर्तन आता।
(ङ) इस कविता में प्रकृति प्रदत्त रचनाओं– पहाड़, पेड़, पौधे, बर्फ़, नदी, पत्थर, आसमान, नक्षत्र, वसंत, पतझड़, अंधड़ का वर्णन है।

भाषा और व्याकरण

1. (क) पहाड़ – दहाड़ (ख) जमती – जलती
(ग) नदी – सदी (घ) पलक – फलक
(ङ) जाना – आना (च) मात्र – छात्र

2. (क) नीचे (ख) दुर्गंध (ग) काँटे
(घ) पराये

3. (क) पहाड़– पर्वत, भूधर
(ख) पेड़– वृक्ष, विटप
(ग) आकाश– नभ, व्योम
(घ) धरती– भू, पृथ्वी
(ङ) नक्षत्र– ग्रह,
(च) प्रभु– ईश्वर, भगवान

4. (क) जमती– तीर-रपट-टमटम-मटर-रखवाला-लाल
(ख) परस– सड़क-कमल-ललक-कलम-मछली-लीची

5. (क) जब वर्षा थम जाती है और आँधी रुकती है तब मिट्टी हँसती है।
(ख) वर्षा होने पर धरती को नमी मिलती है। अलग-अलग फसलों के उत्पादन से फसल चक्र पूरा होता है और धरती की उर्वरा शक्ति बनी रहती है। इसीलिए धरती चिर-उर्वर है।
(ग) मिट्टी अविनश्वर है। बार-बार जोते जाने, फसल उगाने पर भी मिट्टी का स्वस्थ्य बना रहता है, नष्ट नहीं होता। इसलिए हम कह सकते हैं कि मिट्टी अविनश्वर है।

12. प्रायश्चित

मौखिक

1. (क) कबरी बिल्ली घर में रामू की बहू से प्रेम करती थी।
(ख) क्योंकि कबरी बिल्ली के कारण रामू की बहू का घर में रहना मुश्किल हो गया था। उसे सास की मीठी झिड़कियाँ मिलती थीं और पतिदेव को मिलता था रूखा-सूखा भोजन। कबरी बिल्ली द्वारा दूध, घी, खीर, मलाई खाने के कारण ही कबरी बिल्ली को उसने पाटा फेंक कर मारा।
(ग) कबरी बिल्ली को रामू की बहू ने मारा। बिल्ली मारने के इस पाप को प्रायश्चित करवाने के लिए पंडित परमसुख चौबे को घर बुलाया गया।

❖ प्रश्न 2, 3, 4, 5, 6 का उत्तर छात्र स्वयं दें।

लिखित

1. (क) पंडित परमसुख को (ख) कुंभीपाक नरक

2. (क) रामू की बहू घर में सब कुछ थी। भंडार-घर की चाबी उसकी करधनी में लटकती रहती थी।
(ख) रामू की बहू ने खीर में पिस्ता, बादाम, मखाने और तरह-तरह के मेवे डालकर दूध में औटाए और सोने का वर्क चिपकाया।
(ग) क्योंकि कबरी ने रामू की बहू का जीना दुशवार कर दिया था। दूध, घी, दही, मलाई, रबड़ी, खीर को वह सफाचट कर जाती थी।

3. (क) कबरी बिल्ली का हौसला बढ़ना रामू की बहू के लिए ठीक नहीं रहा। रामू की बहू के कमरे में रबड़ी से भरी कटोरी पहुँची और रामू के आने तक कटोरी खाली हो गई। बाज़ार से मलाई आई और जब तक रामू की बहू ने पान लगाया मलाई गायब। रामू की बहू ने तय कर लिया कि या तो घर में वही रहेगी या फिर कबरी बिल्ली।

(ख) बिल्ली की हत्या की खबर सुनकर पंडित परमसुख प्रसन्न हो गए, क्योंकि वे लोगों में फैले अंधविश्वास का प्रायश्चित कराने के नाम पर लाभ उठाते थे। हत्या की खबर सुनते ही उन्होंने पंडिताइन से मुस्कुराते हुए कहा, भोजन न बनाना, लाला घासीराम की पतोहू ने बिल्ली मार डाली, प्रायश्चित होगा, पकवानों पर हाथ लगेगा।

(ग) पंडित परमसुख ने बिल्ली की हत्या का प्रायश्चित बताते हुए कहा कि सोने की बिल्ली बनवाकर बहू से दान करवा दी जाय। बिल्ली दान देने के बाद इक्कीस दिन का पाठ हो जाए। मोल-तोल के बाद ग्यारह तोले की स्वर्ण बिल्ली पर मामला ठीक हुआ। पूजा सामग्री के रूप में भी लंबी-चौड़ी सामग्री की सूची बताई गई।

4. [4] दान-पुण्य में किफ़ायत ठीक नहीं।

[3] बिल्ली की हत्या की खबर बिजली की तरह पड़ोस में फैल गई।

[5] मेरे अकेले भोजन करने से पाँच ब्राह्मणों के भोजन का फल मिल जाएगा।

[2] रामू की बहू इसके बाद पान लगाने में लग गई।

[1] सास जी ने माला ली और पूजा-पाठ में मन लगाया।

भाषा और व्याकरण

1. (क) कटोरी (ख) रबड़ी (ग) कटघरा
(घ) ताक (ङ) पाटा (च) झाड़ू

2. (क) प्रेम– सप्रेम, प्रेममय, प्रेमभाव, प्रेमपूर्ण
(ख) घृणा– घृणित, घृणासूचक, घृणास्पद, घृणी
(ग) फूल– फूलदान, बनफूल, फूलना, फूलगोभी
(घ) पाठ– पाठशाला, पाठभेद, पाठक, पाठांश

3. (क) हुक्म – आज्ञा (ख) किफ़ायत – कमी, बचत
(ग) खबर – समाचार
(घ) फ़ासले – अंतर, दूरी
(ङ) आफ़त – संकट, दुख, कलेश
(च) साफ़ – स्वच्छ

4. (क) खून सवार होना– मरने-मारने पर उतारू
(ख) कमर कस लेना– तैयार होना
(ग) हाथ साफ़ करना– माल उड़ाना / चोरी करना
(घ) नौ दो ग्यारह होना– भाग जाना
(ङ) जान में जान आना– राहत की साँस आना
(च) छक्के-पंजे होना– मौज़ होना, पौ बारह होना।

5. (क) कबरी बिल्ली को मौका मिला, घी-दूध पर जुट गई।

(ख) कबरी न हिली, न डुली, न चीखी, न चिल्लाई, बस एकदम उलट गई।

(ग) महरी ने कहा– ''कहो तो पंडित जी को बुला लाएँ।''

(घ) अरे कम-से-कम सामान में हम पूजा कर देंगे।

13. ऊटी : भारत का स्विटजरलैंड

मौखिक

1. (क) मोहनीश बहल प्रख्यात फिल्म अभिनेता हैं।

(ख) ऊटी का पूरा नाम उटकमंडलम् कहा जाता है।

(ग) कोटागिरी निलगिरि का सबसे पुराना हिल स्टेशन है।

❖ प्रश्न 2, 3, 4, 5 का उत्तर छात्र स्वयं दें।

लिखित

1. (क) तमिलनाडु में (ख) स्वीट्जरलैंड ने
(ग) ऊटी झील (घ) कोटागिरि

(क) ऊटी नाम यहाँ की घाटियों में 12 वर्ष में एक बार खिलने वाले नीले रंग के कुरुंजी फूलों के कारण पड़ा है। इस स्थान की प्राकृतिक सुंदरता से प्रभावित होकर अंग्रेज़ों ने इस स्थान का नाम ऊटी 'क्वीन ऑफ हिल स्टेशन' रखा।

(ख) कालाहट्टी एक वॉटर फॉल है, जो लगभग 100 फीट ऊँचा है। इसके आसपास चीते, सांभर, जंगली भैंसा आदि वन्य पशु हैं। इस कारण यह स्थान प्रसिद्ध है।

3. (क) ऊटी नीलगिरि की सुंदर पहाड़ियों में बसा एक बहुत ही खूबसूरत शहर है। यहाँ 12 वर्ष में एक बार खिलने वाले कुरुंजी फूल हैं। दूर तक फैली हरियाली, फूलों वाले पौधे मन को सुकून देते हैं। ठंड में ज़मीन पर फैली बर्फ़ प्रकृति से जुड़ने का सुखद अहसास कराती है। ऊटी झील के चारों ओर रंग-बिरंगे फूलों की क्यारियाँ दीवाना -सा बना देती हैं। बॉटेनिकल गार्डन, कोटागिरी हिल स्टेशन, कालाहट्टी वाटर फॉल यहाँ की प्राकृतिक सुंदरता में चार चाँद लगा देते हैं।

(ख) 'ऊटी भारत का स्विटजरलैंड है।' यह कथन सत्य है। यहाँ पहाड़ हैं, बर्फ़ पड़ती है और आसमान फैला हुआ नज़र आता है। पेड़ों की प्रचुर हरियाली, फूलों वाले पौधे मन को सुकून देते हैं। यहाँ की जलवायु और प्राकृतिक सुंदरता अद्भुत है। यहाँ कोटगिरी हिल स्टेशन और कालाहट्टी वाटर फॉल है, जो स्विटजरलैंड का अहसास कराता है।

4. (क) जंगली भैंसा (ख) ऊटी (ग) नीलगिरी
(घ) बोटिंग (ङ) कोटागिरी हिल

भाषा और व्याकरण

1. (क) आकर्षित (ख) खूबसूरत (ग) घाटियों
(घ) रंग-बिरंगे (ङ) प्राकृतिक (च) प्रभावित
2. (क) पत्र– (ख) दक्षिण– (ग) हर– (घ) पास–
3. (क) हरियाली मुझे अपनी ओर आकर्षित करती थी।
(ख) इतनी ऊँचाई से पानी को गिरते देखना बेहद रोमांचक होगा।
(ग) बर्फ़ को देखकर वह बच्चा बन गया है।
4. (क) इस गद्यांश में वर्णित है कि लाल सागर तो बहुत गरम था - अरब सागर से भी अधिक।
(ख) भूमध्य सागर में पूर्वी हवा जोर-से चलती थी, इसलिए जहाज़ कुछ हिलता था।
(ग) इटली के नज़दीक सिसली टापू है।
(घ) बहुत – कम नज़दीक – दूर

14. अब्राहम लिंकन: एक परिचय

मौखिक

1. (क) अब्राहम लिंकन अमेरिका के राष्ट्रपति थे।
(ख) यह पत्र अब्राहम लिंकन के पुत्र के अध्यापक को लिखा गया है।

❖ प्रश्न 2, 3, 4 का उत्तर छात्र स्वयं दें।

लिखित

1. (क) चुनाव (ख) वकालत में
2. (क) मेहनत से कमाया गया एक रुपया, सड़क पर मिलने वाले पाँच रुपए के नोट से ज़्यादा होता है।
(ख) लिंकन के अनुसार दूसरों को धमकाना और डराना कोई अच्छी बात नहीं है।
3. (क) पत्र में लिंकन ने कहा है कि दयालु लोगों के साथ नम्रता से पेश आना और बुरे लोगों के साथ सख्ती से पेश आना चाहिए। दूसरों की सारी बातें सुनने के बाद उसमें से काम की चीज़ों का चुनाव करना चाहिए।
(ख) अपने पुत्र के अध्यापक को लिखे पत्र में लिंकन ने पढ़ाई के अलावा उसे आकाश में उड़ते पक्षियों को, धूप में हरे-भरे मैदानों में खिले फूलों पर मँडराती तितलियों को निहारने की याद दिलाने के लिए कहा।
(ग) लिंकन के अनुसार अच्छा इनसान बनने के लिए उदासी को प्रसन्नता में परिवर्तित करने का गुण आना चाहिए। रोने का मन होने पर रोने में शर्म बिलकुल नहीं करनी चाहिए। स्वयं पर और दूसरों पर विश्वास करके ही व्यक्ति एक अच्छा इनसान बन सकता है।
4. [2] यह काम करने से उसे दूर रहना चाहिए।
[5] तभी तो वह एक अच्छा इनसान बन पाएगा।
[4] दयालु लोगों के साथ नम्रता से पेश आना चाहिए।
[1] ये बातें सीखने में उसे ज़्यादा समय लगेगा, मैं जानता हूँ।
[3] मैं समझता हूँ कि ये बातें उसके लिए ज़्यादा काम की हैं।

❖ छात्र स्वयं करें।

भाषा और व्याकरण

1. अनुस्वार– नहीं, मैं, बातें, चीज़ें
अनुनासिक– हूँ, बताएँ, हँसते, मँडराती
2. (क) नेता, लीडर (ख) पशु (ग) व्यक्ति
3. (क) मेहनत (ख) जलन, भावना
(ग) नम्रता (घ) प्रसन्नता

15. काँटों में राह बनाते हैं

मौखिक

1. (क) विपत्ति कायर को दहलाती है।
(ख) विपत्ति से सूरमा विचलित नहीं होते।

❖ प्रश्न 2, 3, 4, 5 का उत्तर छात्र स्वयं दें।

लिखित

1. (क) धीरज (ख) पर्वत के
2. (क) मानव ज़ोर लगाकर पत्थर को पानी बना सकता है।
(ख) मानव के भीतर एक-से-एक बड़े प्रखर गुण छिपे हैं।
3. (क) सूरमा काँटों में राह बनाते हैं। क्योंकि सूरमा क्षणभर के लिए भी विचलित नहीं होते और ना ही धीरज खोते हैं। सूरमा विघ्नों को गले लगाकर काँटों में राह बनाते हैं।
(ख) मानव के गुण मेहँदी की लाली, दीये की बाती के बीच प्रकाश की तरह होते हैं। जो बत्ती नहीं जलाता है वह प्रकाश नहीं पाता है।
(ग) 'खम ठोक ठेलता है जब नर'– पंक्ति का आशय है कि जब आदमी दृढ़ निश्चय कर लेता है, तो उसकी राह में कोई अवरोध टिक

नहीं पाता है। स्मरणीय है कि दशरथ माँझी ने पर्वत को काटकर सड़क मार्ग बना दिया था।

4. (क) सूरमा विकट पीड़ा या कंटकाकीर्ण अवरोध का जड़ से उन्मूलन कर देते हैं। विपत्ति सूरमा के मार्ग में क्या अवरोध डालेगी, वे स्वयं आगे बढ़कर विपत्ति का जड़ से उन्मूलन कर देते हैं।

(ख) इस संसार में ऐसा कोई विघ्न नहीं है, जो मनुष्य के मार्ग में अवरोध डाल सके। इस कथन का आशय है कि मनुष्य विघ्नों से पार पाना जानता है और कोई भी समस्या अब उसके सम्मुख चुनौती रूप में नहीं है।

भाषा और व्याकरण

1. (क) पत्थर (ख) नारी (ग) सागर
(घ) काँटा (ङ) भला

2. (क) वर्तिका, वर्षा, कर्म (ख) प्रखर, प्रकाश, प्रहार

3. (क) सब– कुल, सारा, समस्त
(ख) जग– संसार, चेतन सृष्टि, लोटे की तरह का एक पात्र
(ग) दल– समूह, सेना, पत्ता
(घ) नग– पर्वत, संख्यासूचक शब्द, नगीना

4. (क) काँटों में राह बनाना– संकट से पार पाना / बाधा दूर करना
(ख) पाँव उखड़ना– युद्ध में न ठहर सकना
(ग) विघ्नों को गले लगाना– बाधाओं को स्वीकार करना / बाधाओं को आमंत्रण देना
(घ) पहाड़ से टक्कर लेना– अपने से अधिक शक्तिशाली व्यक्ति से भिड़ना
(ङ) पहाड़ टूट पड़ना– बहुत बड़ी विपत्ति आ पड़ना

16. बुद्धि बड़ी या पैसा

मौखिक

1. (क) राजा सोचता था कि पैसे के बल पर दुनिया के सब काम-काज चलते हैं।

(ख) रानी ने नौकर के हाथ सेठ के पास सफ़ेद कपड़े में लपेटकर अपने नाम की मुहर लगी दो ईंटें भिजवाईं।

(ग) राजकुमारी शतरंज के खेल में पारंगत थी।

(घ) राजा के नगर छोड़कर चले जाने का समाचार जब रानी को मालूम हुआ, तो रानी को बहुत दुख हुआ।

लिखित

1. (क) अहंकारी स्वभाव (ख) पुरुष का
(ग) सारे कैदी

2. (क) अहंकारी राजा सबसे यही कहता था कि इस संसार में धर्म-कर्म, स्त्री-पुत्र, मित्र-सखा सब पैसा ही है।

(ख) राजकुमारी चौबोला का प्रण था कि जो आदमी उसे शतरंज में हरा देगा, वह उसी के साथ विवाह करेगी।

(ग) रानी के मकान के पास औषधालय, पाठशाला, अनाथालय आदि कई इमारतें बनी देखकर राजा अचंभे में आ गया।

3. (क) रानी पैसे को तुच्छ और बुद्धि को श्रेष्ठ समझती थी। उसका कहना था कि दुनिया पैसे के बूते उतनी नहीं चलती, जितनी बुद्धि के बूते पर।

(ख) रानी ने दो ईंटें मँगवाईं और उन्हें धरोहर की तरह सफ़ेद कपड़े में लपेटकर, ऊपर से अपने नाम की मुहर लगवाकर नौकर के द्वारा धन्नू सेठ के पास भिजवाया और दस हज़ार रुपए मँगवा लिए। सेठ से कहा गया कि तुम्हारे रुपए सूद के साथ लौटा दिए जाएँगे और धरोहर वापस ले ली जाएगी। इस प्रकार रानी के पास व्यापार के लिए धन आ गया।

(ग) राजा को अंत में समझ आया कि पैसे को ही सब कुछ समझना मेरी भूल थी। राजा समझ गया कि बुद्धि के आगे पैसा कोई चीज़ नहीं है। राजा ने लज्जित होकर रानी के आगे सिर नीचा कर लिया।

4.

	किसने	किससे
(क)	राजा ने	रानी से
(ख)	दूसरे ठग ने	राजा से
(ग)	राजा ने	पहले ठग से
(घ)	राजा ने	रानी से

❖ छात्र स्वयं करें।

भाषा और व्याकरण

1. (क) मुद्रा – मुद्राएँ (ख) घोड़ा – घोड़े
(ग) ईंट – ईंटें (घ) रानी – रानियाँ
(ङ) आँख – आँखें (च) बँगला – बँगले

2. (क) रानी ने नौकर द्वारा दो ईंटें मँगवाईं।
(ख) रानी के चले जाने पर राजा अकेला रह गया।

(ग) राजा सिर से पैर तक पैसे के मद में डूबा था।

(घ) रानी राजकाज में उचित सलाह देती थी।

3. (क) परंतु उसकी रानी बड़ी बुद्धिमती थी।

(ख) रानी भी उस बँगले में जा पहुँची।

(ग) राजकुमार देश का राजकुँवर था।

(घ) सेठानी ने नौकरानी को बुलाया।

4. (क) शिक्षा हमें मस्तिष्क और शरीर का उचित प्रयोग करना सिखाती है।

(ख) निर्दयी और चरित्रहीन व्यक्ति शिक्षित नहीं समझा जा सकता। यदि हमारी शिक्षा सुसंस्कृत, सभ्य, सच्चरित्र एवं अच्छे नागरिक नहीं बना सकती, तो शिक्षा से क्या लाभ?

(ग) संसार के समस्त वैभव और सुख-साधन भी तब तक सुखी नहीं बनाते, जब तक मनुष्यों को आत्मिक ज्ञान की प्राप्ति न हो पाए।

(घ) उचित – अनुचित, सभ्य – असभ्य